

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

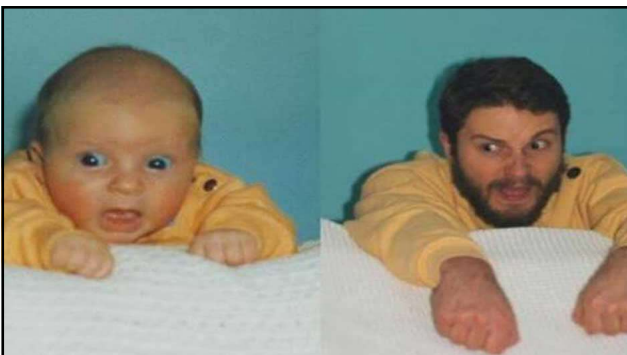
---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---




---

---

---

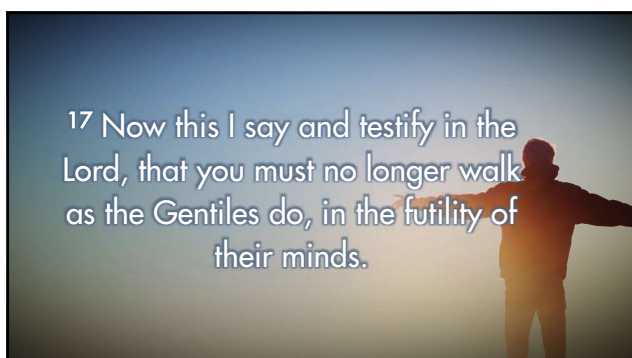
---

---

---

---

---




---

---

---

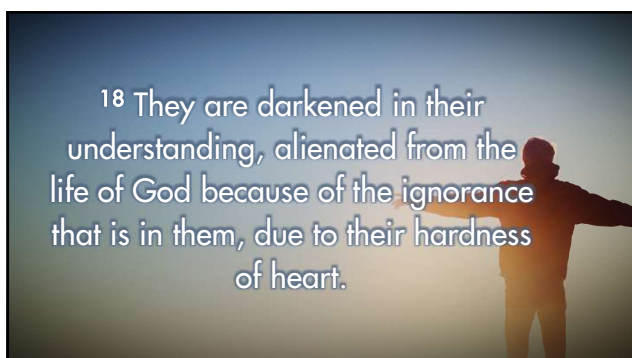
---

---

---

---

---




---

---

---

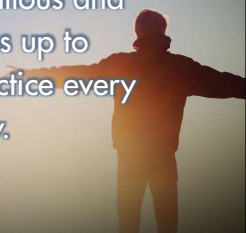
---

---

---

---

---



<sup>19</sup> They have become callous and  
have given themselves up to  
sensuality, greedy to practice every  
kind of impurity.

---

---

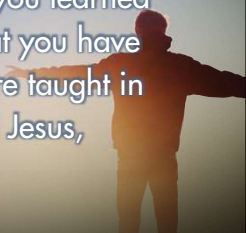
---

---

---

---

---



<sup>20</sup> But that is not the way you learned  
Christ! — <sup>21</sup> assuming that you have  
heard about him and were taught in  
him, as the truth is in Jesus,

---

---

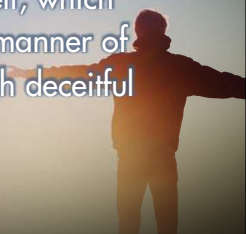
---

---

---

---

---



<sup>22</sup> to put off your old self, which  
belongs to your former manner of  
life and is corrupt through deceitful  
desires,

---

---

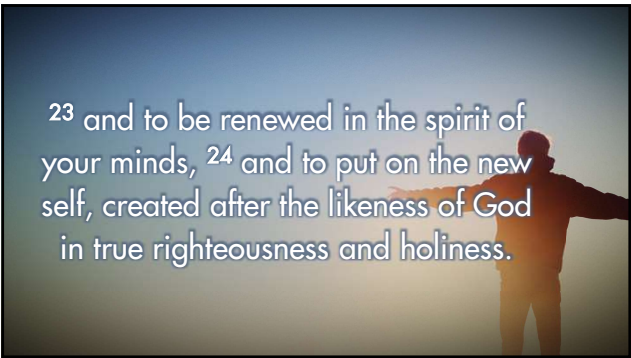
---

---

---

---

---



<sup>23</sup> and to be renewed in the spirit of your minds, <sup>24</sup> and to put on the new self, created after the likeness of God in true righteousness and holiness.

---

---

---

---

---

---

---



**What Not to Do for a Worthy Walk.**

**Three Warnings?**

---

---

---

---

---

---

---



**Don't Return to a Darkened Mind.**

<sup>17b</sup> no longer walk as the Gentiles do, in the futility of their minds. <sup>18</sup> They are darkened in their understanding, alienated from the life of God because of the ignorance that is in them

---

---

---

---

---

---

---

### The Condition of the Sinful Mind

1. Futile = Producing Nothing. Of No Effect.
2. Darkened = No Desire or Ability to Perceive the Things of God.
3. Lifeless = No Access to the Presence, Activity, or Blessings of God.
4. Ignorant = Devoid of Understanding. Empty.

---

---

---

---

---

---

---

***Does Your Thought Life Contain  
More of What Matters to the World  
& the Flesh, is Your Mind Filled with  
the Things of God?***

---

---

---

---

---

---

---

### Don't Revert to a Hardened Heart.

<sup>18b</sup> due to their hardness of heart. <sup>19</sup> They have become callous and have given themselves up to sensuality, greedy to practice every kind of impurity.

---

---

---

---

---

---

---



## Why are They in This Shape?

1. Their Own Sinful Natures – 1 Cor.2:14
2. The Blinding of Satan – 2 Cor. 4:4
3. Gradual Surrendering to Sin – Rom. 1

---

---

---

---

---

---

---

***Where Have You Grown  
Comfortable with Sin and Closed  
off toward the Spirit of God?***

---

---

---

---

---

---

---

## Don't Re-Embrace Your Former Self.

<sup>22</sup> to put off your old self, which belongs to your former manner of life and is corrupt through deceitful desires, <sup>23</sup> and to be renewed in the spirit of your minds, <sup>24</sup> and to put on the new self, created after the likeness of God in true righteousness and holiness.

---

---

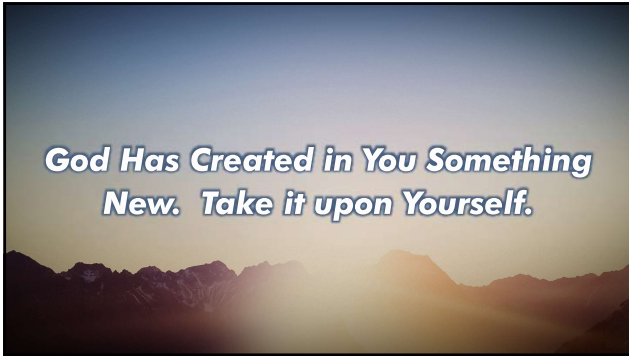
---

---

---

---

---



---

---

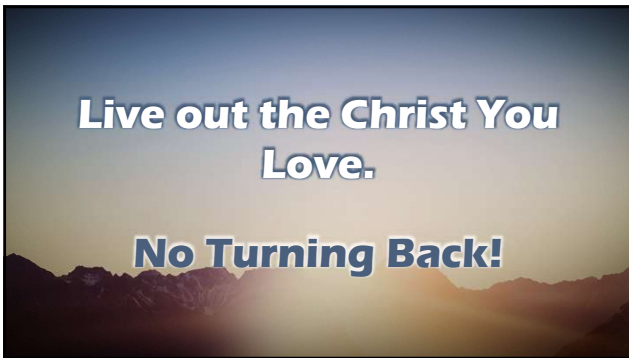
---

---

---

---

---



---

---

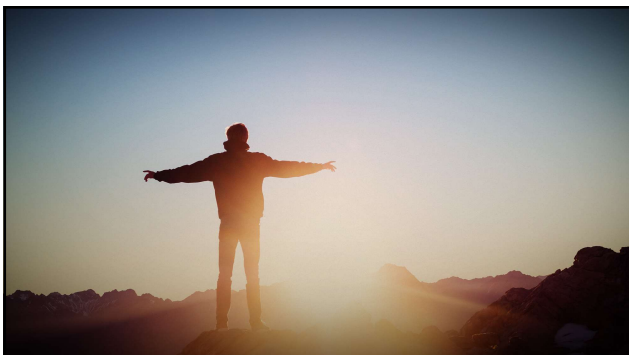
---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---